



मैंने अपने आप को उसे सौंप दिया

“ औरत अगर खूबसूरत हो और उसको कोई ना देखे
... तो उसके खूबसूरत होने का क्या फायदा ? मेरे पति
मुझ पर ध्यान नहीं देते थे तो मेरा एक दोस्त बन गया
और ”

Story By: (kavitajosi)

Posted: Saturday, July 20th, 2019

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [मैंने अपने आप को उसे सौंप दिया](#)

मैंने अपने आप को उसे सौंप दिया

❓ यह कहानी सुनें

अन्तर्वासना की कामुकता भरी सेक्स स्टोरीज के चाहवान मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम कविता है, मैं जयपुर राजस्थान से हूँ. मैं, मेरे हस्बैंड और हमारा एक छोटा सा बेबी पिछले 3 सालों से यहां रह रहे हैं.

मेरी शादी को 5 साल हो गए हैं. मेरी शादी मेरे मम्मी पापा ने 12वीं के बाद ही कर दी थी इसलिए मेरी उम्र ज्यादा नहीं है, सिर्फ 25 साल है. मेरा फिगर देखकर सब मुझे घूरते हैं.

यह बात मुझे हमेशा महसूस होती है पर अंदर अच्छा भी लगता है.

औरत अगर खूबसूरत हो और उसको कोई ना देखे ... तो उसके खूबसूरत होने का क्या फायदा ?

सब कुछ अच्छा चल रहा था. पर मैं थोड़ा बोर होने लगी थी रोज रोज एक सा जीवन बिताते हुए ... सुबह सुबह ऑफिस जाते हुए हस्बैंड को खाना देना और फिर वही अपने छोटे बेबी के साथ पूरा दिन टाइम पास करना ... यह भी सालों तक चला. बस मुझे कुछ अलग करना था इसलिए मैं हमेशा फोन में व्हाट्सएप ईमेल और अपनी सहेलियों के साथ बात करती रहती थी.

कुछ समय व्यतीत हो जाता था.

फिर एक दिन मैंने अपनी फ्रेंड से अंतर्वासना के बारे में सुना. मैंने इस साइट को पढ़ना शुरू किया. जैसे मैं इसे पढ़ती थी, मेरा चेहरा लाल हो जाता था इस पर ऐसी कामुकता वाली कहानियां मेरे रोंगटे खड़े कर देती थी. ज्यादातर कहानियों के नीचे कमेंट भी होते थे, मैं लोगों के कमेंट पढ़ती थी, सच में बहुत मजा आता था, कुछ नया मिलता था.

अब मुझे थोड़ा अच्छा लगने लगा था.

एक दिन मैंने उन कमेंट्स पर एक व्यक्ति को कमेंट किया. उसका कमेंट मुझे सबसे अच्छा लगा था इसलिए मैंने उसे रिप्लाइ किया. वह चैट तो मैं आप लोगों को नहीं बता सकती क्योंकि वह बहुत अजीब थी. पर हमारी धीरे धीरे बातें होने लगी, वह मुझसे काफी अच्छी और सेक्सी बातें करता था.

हसबैंड के ऑफिस जाने के बाद मुझे उसका साथ अच्छा लगता था. बेशक फोन पर ही सही पर मैं हमेशा उसके साथ टाइम व्यतीत करना चाहती थी. धीरे-धीरे हम आगे बढ़ने लगे. वह मुझसे कहता था- भाभी, आप कोई भी जरूरत हो मैं हमेशा आपके लिए तैयार हूं.

मुझे उसका यह कहना बहुत अच्छा लगता था.

हमारा ईमेल का सिलसिला सिर्फ कुछ ही दिनों में बहुत आगे तक चला गया. अगर मुझे कुछ भी खाने का ऑर्डर करना होता तो मैं उसे बता दिया करती और वह मेरे खाने का पेटीएम कर दिया करता. मानो मुझे ऐसे लगने लगा कि वह मेरी हर जरूरत पूरी कर सकता है.

उसका नाम मनोज है. धीरे धीरे मैं उसे मनु कहकर बुलाने लगी. हम कभी हंसते कभी सेक्सी सी बातें करते.

बस बहुत दिनों से यही चल रहा था.

एक दिन मुझे अचानक कुछ पैसे की जरूरत आ गई. ज्यादा नहीं सिर्फ ₹5000 की ... मैंने उससे कहा.

उसने मुझसे कहा- भाभी मैं हमेशा आपके लिए रेडी हूं.

उसका भाभी कहना मुझे ऐसा लगता था मानो मेरा कोई छोटा देवर हो. क्योंकि घर में और

कोई फैमिली नहीं थी इसलिए मुझे अच्छा लगता था.

उसने मुझसे कहा- मैं आपको अभी भेज देता हूं.

उसने मुझे ₹5000 पेमेंट ऐप से भेज दिए. मेरी समस्या सुलझ गयी।

मैं चाहती तो अपने पति से मांग सकती थी पर मुझे उनसे पैसे नहीं चाहिए थे क्योंकि ये पैसे मैं अपनी एक सखी को देने वाली थी और उनसे कितनी बार ले चुकी थी. इसलिए मैंने मनोज की हेल्प ली.

अपनी सहेली को मैंने मनोज के बारे में बताया तो उसने मुझसे कहा- आज के समय में ऐसे इंसान मिलते नहीं हैं; चाहो तो तुम उसके साथ आगे बढ़ सकती हो.

मैंने कहा- क्या मतलब ?

मेरी फ्रेंड ने कहा- मतलब कुछ प्यार व्यार बस !

मैं मुस्कुराने लगी क्योंकि मनोज का मेरी हेल्प करना, मुझे हंसाना, मुझसे सेक्सी बातें करना ... शायद कहीं ना कहीं मैं उसकी तरफ आकर्षित होने लगी थी. उसको बिना देखे मैं कहीं ना कहीं उसे प्यार करने लगी थी.

बातों ही बातों में ई-मेल पर मैंने उसकी कुछ पिक्स मंगाए. वह इतना सुंदर तो नहीं, पर ठीक था. और मुझे सुंदर चाहिए भी नहीं था, मुझे तो बस दिल का इंसान अच्छा चाहिए था जिस पर मैं भरोसा कर सकूं.

एक दिन मैंने उसका नंबर लिया क्योंकि मुझे उसकी आवाज सुननी थी. मेरे दिल में बहुत धक धक हो रही थी क्योंकि मैं उसे फोन करने वाली थी. पहली बार मैं उससे बात करने वाली थी.

मैंने डरते डरते फोन कर दिया. फिर हमारी बातें भी हुई ... पर पहली बार मैं नर्वस थी तो

कुछ ज्यादा बात नहीं कर पाई.

पर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य होने लगा. मैं उससे रोजाना फोन पर बात करने लगी, मुझे उसका साथ अच्छा लगने लगा.

फिर एक दिन उसने मुझसे कहा- भाभी, क्या आप मुझसे मिलने आ सकती हो? मुझे बस आपको एक बार देखना है.

क्योंकि मैं हमेशा उसको पिक्स वगैरह के लिए मना कर देती थी. ऐसा नहीं कि मुझे उस पर भरोसा ना था पर फिर भी कहीं ना कहीं डरती थी.

इसलिए मैंने उससे कहा- ठीक है, सामने देख लेना ... पर पिक्स कभी नहीं सेंड करूंगी. उसने कहा- ठीक है, मैं आपके लिए और अपने लिए एक होटल में रूम बुक कर लेता हूं. हम मिल सकते हैं क्या?

मैं थोड़ा सहम सी गई परंतु उसे मेरी हमेशा हेल्प की थी तो मैंने बस हां कर दी. क्योंकि कहीं ना कहीं जब मुझे उसकी जरूरत थी उसने मेरी हमेशा मदद की थी.

आज जब कुछ कह रहा था तो मैं उसे 'ना' नहीं कर सकी.

उसने मुझे जगह और टाइम बताया मैं अपनी कामवाली को अपने बेबी को कुछ घंटे का ध्यान रखने के लिए कह कर चली गई.

मनोज होटल में मैं पहले से ही पहुँच गया था. वह मुझे होटल के नीचे लेने भी आया. हम होटल में रूम में गए. वहां जाकर उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझसे कहने लगा- भाभी, आप बहुत खूबसूरत हो.

मैं बस उसकी आंखों में देखकर मुस्कुराने लगी।

फिर वह धीरे धीरे मेरे पास आकर बैठ गया. धीरे धीरे मुझे उसके दिल का अहसास होने लगा. वह मुझे छूना चाहता था, मुझे किस करना चाहता था और शायद उससे भी ज्यादा ! और शायद अंदर ही अंदर वह भी मुझे अच्छा लग रहा था. मैं चाहती थी कि वह मुझे छू ले.

फिर वह मेरी गर्दन पर हाथ फिराने लगा, मेरी खूबसूरती की तारीफ करते हुए उसने मेरे माथे पर किस किया.

मैंने उससे कहा- मनोज रुको !

पर उसने मेरे होठों पर उंगलियां रख दी.

फिर अचानक से उसने अपने होंठ मेरे होंठों से लगा दिए. मेरे अंदर एक अजीब सा अहसास हुआ और मैं अपने आप बेड पर पीछे की तरफ लेट गई. मेरी साड़ी मेरे पेट पर से हट गई.

वह सीधा मेरे पेट पर किस करने लगा. मैं भी एक अजीब से अहसास से उसका साथ दे रही थी. मैं अपने आप पर कंट्रोल नहीं कर पाई.

उसने मेरी साड़ी उतार दी, अब बस मैं उसके सामने ब्लाउज पेटिकोट में रह गई. मुझे किस करते करते ही उसने वे भी उतार दिए. मैं उसे मना नहीं कर पा रही थी, मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया था वह मेरी चूचियों को पागलों की तरह खाने लगा.

बस मैं उसके नीचे लेटी लेटी उसकी कामुकता वासना का अहसास कर रही थी. मैं सोच रही थी कि एक अनजान मुझे ईमेल पर मिला और आज मैं उसे चुदने वाली हूं.

कब उसने मुझे किस करते करते अपना लंड मेरी चूत में डाल दिया, मुझे पता ही नहीं चला. मैं तो बस किस करते करते उसका साथ देने लगी थी. हम कब एक दूसरे में खो गए, पता ही नहीं चला.

वह मेरी खूबसूरती को खा जाना चाहता था. वह अपनी मन मर्जी से उचक उचक कर मुझे चोदने लगा. मुझे नहीं पता था कि हम इतने अच्छे दोस्त बनकर इस तरह मिलेंगे कि हम एक दूसरे में इतना खो जाएंगे.

वह मेरी गर्दन पर उसके दांतों के निशान और मैं उसकी कमर पर मेरे नाखूनों के निशाँ बना रही थी.

क्या नजारा रहा था वो !

वह मुझे जी भर कर चोद लेना चाहता था और मैं भी उससे जी भर कर चुदना चाहती थी.

फिर उसने मुझे घोड़ी बनने के लिए कहा. मैं उसके लिए घोड़ी भी बन गई और उसने मुझे खूब पेला.

मुझे और ज्यादा आनंद आने लगा. अब मैं बस झड़ने ही वाली थी तो मैंने उससे कहा- और जोर से मनोज !

वह भी मेरी कामुकता भरी आवाज सुनकर जोर से धक्के मारने लगा और दूसरे क्षण झड़ गया.

और मैं भी साथ ही झड़ गयी.

उसने सारा वीर्य मेरी चूत में निकाल दिया. उसने मुझे जब तक घोड़ी बनाए रखा जब तक उसका लंड सामान्य स्थिति में नहीं आ गया.

मैं भी हाँफ रही थी और वह भी !

मैंने उससे कहा- यह तुम्हारी इंसानियत का नतीजा है कि मैं आज तुम्हारे साथ इस हालत में हूँ. मैंने जब भी कहा, तुम हमेशा मेरी मदद के लिए आ गए. ना जान ना पहचान ... ना भरोसा कर सकते थे. फिर भी तुमने मेरी मदद की. आज यही कारण है कि मैं भी तुम्हें जानती नहीं थी और तुम्हारे साथ एक अजीब सा रिश्ता बना लिया.

उसने मुझसे कहा- भाभी, मैं हमेशा से ऐसा ही हूँ, ऐसा ही रहूँगा. कम से कम आप के लिए तो ऐसा ही रहूँगा।

मुझे हमेशा से पता था कि वह एक अच्छा इंसान है, सीधा सादा ... सब पर भरोसा करने वाला. इसलिए मैंने शायद अपने आप को उसे सौंप दिया.

मेरे समर्पण का एक बड़ा कारण यह भी था कि मैं अपने हस्बैंड के साथ खुश नहीं थी. वह मुझे मेरी जवानी का मजा नहीं दे पा रहे थे. जो मुझे आज मनोज से मिला.

इंसान अगर अच्छा हो तो वह सब पा सकता है जिसका वह हकदार है.

मैं मनोज को किस करके जाने लगी तो मैंने उससे कहा- मैं तुम्हारे पास ज्यादा समय नहीं रुक सकती हूँ. मुझे जाना होगा.

उसने मुझे फिर एक बार माथे पर किस किया और कहा- बाय भाभी।

उसका यही तो नटखट अंदाज मुझे पसंद था बार-बार मुझे चूमते रहना मेरे लिए हमेशा खड़े रहना.

औरत हमेशा दो ही चीज पर मर मिट जाती है एक कि उसकी मदद में हमेशा कोई उसके साथ रहे. और दूसरा जिस पर भरोसा कर सके!

मनोज के रूप में मुझे वह मिल गया था.

बहुत समय बीत गया था कि मनोज ने फिर मुझे एक दिन मिलने के लिए बुलाया.

मैं जानती थी कि अबकी बार जरूर खुल्लम खुला सेक्स होगा क्योंकि अबकी बार हम दोनों ही नर्वस नहीं होंगे.

आपको मेरी यह कहानी कैसी लगी कृपया मुझे ईमेल कर कर जरूर बताएं.

kavitajosi01@gmail.com

Other stories you may be interested in

भाग्य से मिली परी सी भाभी की चूत

सभी मित्रों को मेरा प्यार भरा नमस्कार! मेरा नाम पवन कुमार है, मैं जयपुर राजस्थान का रहने वाला हूँ. मेरा रंग रूप सामान्य है. मेरी लम्बाई जरूर असमान्य है. मैं 5 फुट 11 इंच का हूँ. इस समय मेरी उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

तीन पत्ती गुलाब-5

ये साली नौकरी भी जिन्दगी के लिए फजीता ही है। यह अजित नारायण (मेरा बॉस) भोसले नहीं भोसड़ीवाला लगता है। साला एक नंबर का हरामी है। पिछले 4 सालों से कोई पदोन्नति (प्रमोशन) ही नहीं कर रहा है। आज मैं [...]

[Full Story >>>](#)

जून 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको जून 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं... सहेली के ससुर से चुद गई मैं- फ्रेंड्स, मेरा नाम अनिषा है. मेरी पिछली सेक्स कहानी मामी [...]

[Full Story >>>](#)

आखिर अपनी चाहत को चोद ही दिया

मेरा नाम सुनील पंवार है मैं गुड़गाँव का रहने वाला हूँ। मेरी उम्र 24 वर्ष है। मैं कॉलेज की पढ़ाई कर रहा हूँ। मैं कॉलेज कम ही जाता हूँ क्योंकि यह हमारे कॉलेज का आखिरी वर्ष है। मेरा ग्रेजुएशन पूरे [...]

[Full Story >>>](#)

विधवा औरत की चूत चुदाई का मस्त मजा-3

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं उस विधवा औरत की बरसों से प्यासी चूत को चोदने में कामयाब हो गया था. मगर मुझे लग रहा था कि शायद कहीं कोई कमी रह गयी थी. मैंने तो अपना [...]

[Full Story >>>](#)

